"विश्व सभ्यता को यूनान की देन"

Mandip kumar chaurasiya

Assistant professor (Guest)

Dept. of A.I.H. & Archaeology

Patna university, patna-800005

M.A-II nd Semester

Paper/cc-7 Ancient world Civilization

प्राचीन विश्व की सभ्यताओं में अगर देखा जाये तो सबसे समृद्धशाली देश यूनान था। यूनान में एक से बढ़कर एक महान दार्शनिक, कवि, राजनीतिज्ञ तथा वैज्ञानिक हुवे जिन्होंने अपने द्वारा किये गए खोजों, कार्यों तथा अपने मतों से पुरे विश्व के इतिहास में अपनी एक अलग पहचान बनायीं। यदि कहा जाये तो पूरा विश्व यूनान का ऋणी हैं। हम देखते है कि यूनान ने साहित्य और कला के क्षेत्र में भी अनेक योगदान दिए। उनके द्वारा लिखी गई पुस्तकों का आज भी पूरा विश्व अध्ययन करता है और उससे लाभ अर्जित करता है।

यूनानियों ने विश्व को विभिन्न क्षेत्रो में अपना बहुमूल्य योगदान दिए, जो निम्नलिखित है:-

1. <u>राजनीतिशास्त्र</u> - यूनानियों ने रानितिशास्त्र में विश्व को बहुत बड़ा योगदान दिया। यहाँ प्लेटो तथा अरस्तू जैसे महान विश्व विचारक हुवे। अरस्तू ने पोलिटिक्स जैसी विश्व प्रसिद्द पुस्तक लिखी तथा प्लेटो ने रिपब्लिक जैसी मशहुर पुस्तक लिखी। यूनानियो ने ही गणतंत्रात्मक शासन के सिद्धांत को विश्व को दिया।

2. <u>दर्शनशास्त्र</u> - यूनानियों ने दर्शनशास्त्र के क्षेत्र में भी अद्वितीय योगदान दिया। अगर सच कहा जाये तो पश्चिमी जगत में दर्शन चिंतन का श्रीगणेश यूनान में ही हुवा। दर्शन के क्षेत्र में यूनान में एक से बढकर एक दार्शनिक हुवे जिनमे प्रमुख- सुकुरात, प्लेटो तथा अरस्तु थे। सुकुरत अपने समय का सबसे बड़ा विचारक तथा सत्य का निडर प्रचारक था। वह हमेसा नवयुवको को सत्य की शिक्षा देता था। जिसके चलते इसे विष देकर मार डाला गया। प्लेटो भी बहुत बड़ा विचारक था जो सुकुरत का ही शिष्य था। इसको पश्चात दर्शन का प्रवर्तक माना जाता है। इसने रिपब्लिक नामक ग्रन्थ की रचना की। जिसमे उसने विश्व के आदर्श राजा की कल्पना प्रस्तुत की। इसके विचार आज भी बड़े आदर्श से पढ़े जाते है।

प्लेटो के बाद अरस्तू जैसा महान विचारक हुवा। वह बहुत ही गंभीर एवं बहुमुखी प्रतिभा वाला दार्शनिक था। वह प्लेटो का शिष्य तथा सिकंदर का महान गुरु था। इसकी प्रतिभा तथा विद्वता से ज्ञान का कोई भी क्षेत्र अछुता नहीं था। इसने दर्शन, राजनीति, तर्कशास्त्र एवं जन्तुविज्ञान के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रतिभा का

परिचय दिया। इसके आज भी तर्कशास्त्र एवं दर्शनशास्त्र के सिद्धांत अत्यंत महत्वपूर्ण माने जाते है।

3. <u>साहित्य</u>- प्राचीन यूनान में अत्यंत उच्च कोटि की साहित्यिक रचनाये की गई। प्राचीन काल के लेखकों, कवियों तथा नाटककारों की रचनाये आज के भी युग में बड़े ही प्रासंगिक माने जाते है। वर्तमान के कवि एवं नाटककार आज भी उनसे प्रेरणा ग्रहण करते है। प्राचीन यूनान में अत्यंत महत्वपूर्ण महाकाव्यों की रचना हुई। जिसमे सबसे प्रसिद्द होमर द्वारा रचित विश्व प्रसिद्द महाकाव्य इलियड तथा ओडिसी थी। इसे प्राचीन यूनान का सबसे प्रसिद्द महाकाव्य माना जाता है। हिसियड भी प्राचीन यूनान का दूसरा प्रमुख रचयिता था। कार्य तथा बल इसकी प्रमुख रचना थी। इसने मुख्य रूप से खेतिहरों के जीवन का चित्रंण प्रस्तुत किया।

इसके साथ ही यूनान में गीतकाव्य का भी विकास हुवा। सेफो नामक प्रसिद्द कवयित्री हुई। इसके अलावे यूनान में अत्यंत उच्च कोटि के दुखांत तथा सुखांत नाटक लिखे गए। सेफोक्लिज ने दुखांत तथा येरीस्टोफेनिज ने सुखांत नाटक लिखे।

4. <u>इतिहास</u>- प्राचीन यूनान में इतिहास की भी रचना हुई। विश्व के प्रथम इतिहासकार हेरोडोटस ने यूनान पर ईरान के आक्रमण का इतिहास अत्यंत रोचक ढंग से लिखा। यह इतिहास लिखने की कला का जन्मदाता भी माना जाता है। दूसरा प्रसिद्द इतिहासकार थ्युसिडाइडिज माना जाता है जिसने वैज्ञानिक ढंग से इतिहास लिखने की कला को जन्म दिया।

5. <u>कला एवं स्थापत्य</u>- यूनानी कला एवं संदौर्य के पुजारी थे। पेरिक्लिज के युग में डोरिक शैली का विकास हुवा। जिसका प्रमुख उदाहरण पार्थेनन्नमक मंदिर है।

इसके साथ कोरियन शैली में सुंदर खम्भों की बनावट मुख्य है। यूनान में अनेक प्रसिद्द मूर्तिकार हुवे जिनमे सबसे प्रमुख फिडियस था।

6. <u>विज्ञान</u>- यूनान में एक से बढ़कर एक वैज्ञानिक चिंतक हुवे। जिन्होने अपनी विद्वता एवं प्रतिभा के बल पर यूनान को प्रगति के मार्ग पर प्रशस्त किया। इनमे सर्वप्रमुख पाइथागोरस , युक्लिड, आर्कमिडीज आदि जैसे विश्व प्रसिद्द वैज्ञानिक हुवे, जिनके द्वारा दिए गए सूत्र आज भी पुरे विश्व में प्रासंगिक हैं। एम्पीडोक्लिज तथा डेमोक्रिट्स जैसे माहान प्रसिद्द गणितज्ञ हुवे। चिकित्सा शास्त्र के क्षेत्र में भी यूनानियों की देंन महत्वपूर्ण है। डायोड़ीनिज तथा हेरोफिलस जैसे प्रमुख चिकित्सक हुवे।

इसके अलावे युनान में कुछ अन्य दार्शनिक मतों का प्रादुर्भाव हुवा। इनमे प्रमुख मत- सिनिक मत, येपिक्युरियान मत, स्टोइक मत, हेडोनिस्ट जैसे मतों का पतिपादन हुवा।

हम देखते है की ज्ञान-विज्ञान का कोई भी क्षेत्र ग्रीक प्रतिभा से अछूता नहीं बचा। यूनानियों ने अपनी देंन से साहित्य, दर्शन, कला एवं विज्ञानं के क्षेत्र को समृद्ध किया। इन क्षेत्रो में उनकी देंन अद्वितीय एवं अमर है। यूनान के कवि एवं नाटककार, दार्शनिक एवं वैज्ञानिक, मूर्तिकार तथा कलाकार संसार में सदैव आदर्श माने जाते है तथा माने जायेंगे।